(iii) **Discovery Strategy Method :-**
[खोज व्यूह रचना विधि]

इस व्यूह रचना के प्रवर्तक J.S. Bruner है। जिनके अनुसार,

" खोज विधि में छात्रों को अपने मानसिक स्तर आयु कक्षा तथा सम्बन्धित तथ्यों के अनुरूप मौलिक रूप से नवीन ज्ञान की खोज करनी पड़ती है। इसमें तथ्यों की व्याख्या इस प्रकार की जाती है कि जिससे छात्रों को नवीन तथ्यों का बोध होने लगता है।

यह विधि छात्रों को सक्रिय बनाती है तथा छात्रों में चिंतन, सूझ-बूझ तथा निरीक्षण सम्बन्धी क्षमताओं का विकास करती है।

खोज का अर्थ है किसी ऐसी बात का पता लगाना जिसे न पहले देखा गया हो न उसके सम्बन्ध में कुछ सुना गया हो। शिक्षा जगत् में खोजविधि को समस्या विधि भी कहते है।

Structure :- इस विधि में सर्वप्रथम छात्रों के सम्मुख ऐतिहासिक तथ्यों का वर्णन किया जाता है, तथा यथा सम्भव अवलोकन भी कराया जाता है। छात्र उससे सम्बन्धित वर्णन को लिखते है तथा आवश्यकतानुसार शिक्षक छात्रों को निर्देशन भी देता रहता है। इस प्रकार छात्र खोज के आधार पर तथ्यों का ज्ञान प्राप्त करते है।

Steps :- 1. समस्या का चयन करना [Selection of Problems]
2. तथ्यों की खोज करना
3. परिकल्पनाओं का निर्माण [Formation of Hypothesis]
4. परिकल्पनाओं का परीक्षण [Testing of Hypothesis]
5. निष्कर्ष निकालना

गुण :- 1. सृजनात्मक चिंतन के विकास में सहायक होती है।
2. छात्रों में विश्लेषण तथा संश्लेषण करने की क्षमताओं का विकास करती है।
3. शिक्षण उद्देश्यों की प्राप्ति में सहायक है।
4. सामाजिक तथ्यों को रटने की अपेक्षा उन्हें समझने का अवसर प्रदान

A Quality Product from Chitra

करती है।

5. छात्रों को स्थायी ज्ञान ग्रहण करने में सहायक होती है।

दोष:- 1. यह विधि सभी विषयों या प्रकरणों पर प्रयोग नहीं की जा सकती है।

2. शिक्षण की गति काफी धीमी हो जाती है।

3. यह विधि प्रतिभाशाली छात्रों के लिए उपयोगी है।

4. यह विधि योग्य एवं कर्मठ शिक्षकों की आवश्यकता पर बल देती है

खोज विधि तथा अन्वेषण विधि में अंतर :—

1. खोज विधि का प्रयोग मुख्यत: सामाजिक विषयों के तथ्यों से सम्बन्धित खोज के लिए किया जाता है। जबकि अन्वेषण विधि का प्रयोग वैज्ञानिक विषयों के प्रत्ययों तथा सिद्धांतों के प्रतिपादन में किया जाता है।

2. खोज विधि का सम्बन्ध भूत काल से होता है जबकि अन्वेषण विधि का सम्बन्ध वर्तमान से होता है।

3. खोज विधि में अवलोकों तथा निरीक्षणों के आधार पर निष्कर्ष निकाले जाते हैं जबकि अन्वेषण विधि में निरीक्षण द्वारा प्रत्यक्ष रूप से निष्कर्ष निकाले जाते हैं।

4. खोज विधि में तथ्यों की व्याख्या मुख्यत: वर्णनात्मक रूप में होती है जबकि अन्वेषण विधि में तथ्यों का खोज समाप्त वस्तुनिष्ठ रूप में प्रदान किया जाता है